5. संज्ञा

नाम ही व्याकरणिक भाषा में संज्ञा कहलाता है। वस्तु, व्यक्ति, प्राणी, स्थान तथा भाव सभी का नाम होता है। नाम द्वारा ही किसी को जाना जाता है।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका पाठ पृष्ठ पर दिए चित्र और वाक्यों द्वारा संज्ञा की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- ❖ संज्ञा की परिभाषा सुनें। बच्चों से आसपास की संज्ञाएँ बताने को कहें।
- ❖ संज्ञा के तीनों भेदों को दिए गए उदाहरणों की सहायता से समझाएँ।
- ❖ समझाएँ, कोई भी विशेष नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा होता है। किसी की संपूर्ण जाति का बोध कराने वाले शब्द जातिवाचक संज्ञा होते हैं तथा मन के भाव अथवा महसूस किए जाने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा होते हैं।
- ❖ बच्चों से संज्ञा के भेदों के उदाहरण बताने को कहें।
- ❖ सभी बच्चों को जवाब देने का समुचित अवसर दें।
- ❖ भाववाचक शब्दों की रचना कैसे होती है, विस्तार से समझाएँ। पाठ पृष्ठ पर दिए शब्दों को पढ़वाएँ।
- ❖ सुनिश्चित करें बच्चे भली-भाँति समझ पा रहे हैं या नहीं।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से ही पूछें।
- ❖ बच्चों द्वारा किया अभ्यास जाँचें। यदि सुधार की आवश्यकता हो तो समझाते हुए सुधार करवाएँ।